an>

Title: Need to provide support price taking into account cost of production to the farmers for their agricultural produe.

श्री सी.आर.चौधरी (नागौर) : सभापति महोदय, मैं आपके मार्फत राजस्थान के किसानों की एक ज्वलंत समस्या के बारे में निवेदन करना चाहूंगा। इस वर्ष राजस्थान में चने की फसल अच्छी हुई है। चने को बाजार में कम भाव मिल रहा था इसलिए नैफेड द्वारा मिनिमम सपोर्ट प्राइस पर चने को खरीदा गया। राजफेड एण्ड तिलम संघ जो कि नैफेड की एजेंसियां हैं, उन्होंने राजस्थान में 2.1 लाख मीट्रिक टन चना खरीदा था। इसकी टोटल पेमेंट 541 करोड़ रूपये थी। You will be surprised to know that even after purchasing of these grains, even after the lapse of two months, 440 करोड़ रूपये की पेमेंट अभी तक नहीं हुई है। लोग पहले तो चना बेचने के लिए कभी मंडी में जाते, कभी उनसे कुछ दस्तावेज़ मंगाए जाते और उसमें देरी होती है। अब वे पेमेंट के लिए पिछले दो महीनों से घूम रहे हैं। इसलिए मैं सरकार से आग्रह करना चाहूंगा कि भारत सरकार नैफेड को डायरेक्ट करे कि इस पेमेंट को तुरंत रिलीज़ किया जाए ताकि काश्तकारों को उनका बकाया मिल जाए। साथ ही मैं यह भी निवेदन करना चाहूंगा कि अब मिनिमम सपोर्ट प्राइस के बजाय जितने भी चने हैं या कृषि उत्पाद हैं, उनको लागत मूल्य पर खरीदा जाना चाहिए। काश्तकार की जो लागत मूल्य है, जिसकी कॉस्ट है at least he should get the cost. मिनिमम सपोर्ट प्राइस के द्वारा वह लागत मूल्य भी प्राप्त नहीं कर पा रहा है। ऐसी स्थिति में मेरा आपके माध्यम से सरकार से निवेदन है कि नैफेड को इंस्ट्रक्ट किया जाए कि उनका पेमेंट रिलीज़ करें। आपने मुझे बोलने का समय दिया उसके लिए आपका धन्यवाद।

माननीय सभापति : श्री पी.पी.चौधरी स्वयं को श्री सी.आर.चौधरी के विषय के साथ संबद्ध करते हैं।